सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्ष: 11 • अंक: 189 पृष्ठ: 8 • लखनऊ, गुरुवार 14 अगस्त, 2025
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप दृढ़ संकल्प और पूर्णता के साथ काम करेंगे तो सफलता ज़रूर मिलेगी।
–धीरूभाई अंबानी

वनडे रैंकिंग: शीर्ष दो पर गिल-हिटमैन... 7 | महाराष्ट्र व हरियाणा में अपनों... 3 | भाजपा सरकार पूरी तरह से... 2

आने वाला है सियासत में भूचाल!

एनडीए में फूट के आसार, लोकसभा को भंग करने की मांग

- देश भर में एसआईआर कराने की मांग
- पूरे देश में गड़बड़ हैं मतदाता सूचियां
- महज एक साल पहले ही इन सूचियों से हुआ है लोकसभा का चुनाव
- राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में खटास बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सियासत इन दिनों उस मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां हर दिन नए मोर्चे खुल रहे हैं और पुराने रिश्तों में दरारें साफ दिखने लगी हैं। सत्ता के गलियारों में फुसफुसाहट से लेकर खुलेआम बयान तक सब कुछ इशारा कर रहे हैं कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में खटास बढ़ चुकी है। विपक्ष अब खुले आम आरोप लगा रहा है कि सरकार चोरी के वोटों से बनी है और लोकसभा को तत्काल भंग करने की मांग कर रहा है।

वहीं एनडीए के अपने सहयोगी भी अब असहज हैं और सार्वजनिक मंचों से बयान जारी कर रहे हैं। वह कभी मांस बिक्री रोकने के आदेश पर सवाल उठा रहे हैं तो कभी सांप्रदायिक रंग वाले फैसलों पर पुनर्विचार की मांग करते दिखाई दे रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री रामदास आठवाले ने 15 अगस्त पर मांस बिक्री आदेश की रोक वाले आदेश पर पुनविर्चार की मांग की है। वहीं सांसद अभिषेक बनर्जी ने तत्काल लोकसभा को भंग करने की सिफरिश की है।

एनडीए की सेहत पर सवाल!

एनडीए की राजनीति हमेशा से न्यूनतम साझा कार्यक्रम और सत्ता में भागीदारी के संतुलन पर टिकी रही है। लेकिन हाल के दिनों में यह संतुलन टूटता दिख रहा है। रामदास आठवले जैसे अहम सहयोगी ने मांस बिक्री रोकने के आदेश पर पुनर्विचार की मांग करके संकेत दे दिया कि भाजपा के एकतरफा निर्णय सहयोगियों को नागवार गुजर रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सत्ता के लिए साथ रहना और नीतियों पर एकमत होना दोनों अलग चीजें हैं और एनडीए अब दूसरे मामले में फेल हो रहा है।

आठवाले की बगावत

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने स्वतंत्रता दिवस पर महाराष्ट्र में मांस बिक्री पर प्रतिबंध के फैसले पर सार्वजनिक नाराजगी जाहिर करते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह सही नहीं है क्योंकि लोगों को अपने खान पान का अधिकार है। आठवले ने तर्क दिया कि 70 प्रतिशत से अधिक लोग मांसाहारी हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक कारणों से प्रतिबंध स्वीकार्य हो सकता है लेकिन 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्व पर यह उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती 15 अगस्त और 26 जनवरी को इस तरह के फैसले नहीं होने चाहिए। लोकतंत्र में अनावश्यक बंधन ठीक नहीं है और इस फैसले पर फिर से विचार होना चाहिए। मुझे लगता है कि इसकी जरूरत भी है।

राजनीतिक भूगोल बदलने के संकेत

भारतीय राजनीति में सत्ता गठबंधन अक्सर बाहरी स्थिरता दिखाते हैं लेकिन भीतर ही भीतर समीकरण बदलते रहते हैं। एनडीए के कई सहयोगी दल अपने अपने राज्यों में भाजपा के खिलाफ जमीन तलाश रहे हैं ताकि भविष्य में अकेले खड़े हो सकें। राजनीतिक विश्लेषकों मानना है कि अगले आम चुनाव से पहले एनडीए का स्वरूप आज जैसा है वैसा रहना मुश्किल है। कांग्रेस, तृणमूल, समाजवादी पार्टी, डीएमके, और आम आदमी पार्टी सभी ने एकजुट होकर एसआईआर कि प्रक्रिया और चुनाव आयोग पर जिस तरह से हमला बोला है वह इससे पूर्व में मोदी सरकार के उदय के बाद कभी नहीं बोला गया।

देश की जनता के साथ विश्वासघात हुआ है

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा को तत्काल भंग करने की मांग की। बनर्जी ने कहा है कि अगर कोई एसआईआर के विचार का सचमुच समर्थन करता है तो चुनाव आयोग के अपने बयान के अनुसार इस देश के लोगों के साथ विश्वासघात किया गया है। साथ ही अगर नए मुख्य चुनाव आयुक्त सचमुच उतने ही सक्षम हैं जितना दावा किया जा रहा है तो एसआईआर को पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए न कि चुनिंदा चुनावी राज्यों में। टीएमसी नेता ने यह दावा उस समय किया है जब वोट चोरी और हेरफेर के आरोपों को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दल चुनाव आयोग और सरकार पर हमलावर रुख अपनाए हुए हैं।

- विपक्षी दल चुनाव आयोग और सरकार पर हमलावर

बनर्जी के बयान से चढ़ा तापमान

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की लोकसभा भंग करने और देशव्यापी एसआईआर की मांग ने राजनीतिक पारा बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा है कि उच्च नैतिक आधार पर खड़े होने की दिशा में पहला कदम लोकसभा को तत्काल भंग करना है। अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि विभिन्न राज्यों की मतदाता सूचियां जिनके आधार पर बमुश्किल एक साल पहले यानी 2024 में आम चुनाव हुए थे त्रुटिपूर्ण और अनियमितताओं से भरी हैं। अगर वाकई ऐसा है और अगर भारत सरकार चुनाव आयोग के आकलन से सहमत है तो एक वास्तविक एसआईआर को पूरे देश में कराया जाए और लोकसभा को भंग कर दिया जाए।

भाजपा सरकार पूरी तरह से फेल : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- एक भी वादा पूरा न कर सकी योगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी की योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को विजन नहीं रीजन डॉक्यूमेंट को निकालकर बताना चाहिए कि उन्होंने किस वजह से अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया। भाजपा सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है। सरकार कानून व्यवस्था, बाढ़ नियंत्रण, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास हर मामले में असफल हो गई है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार की नफरत और भेदभाव की राजनीति से जनता में भारी आक्रोश है। कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा और उनके संगी सहयोगियों से दस साल का हिसाब मांग रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के पास प्रदेश की जनता के लिए कोई विजन नहीं है। नौ साल में प्रदेश में एक भी बिजली घर नहीं लगाया। सड़कों के गड्ढे तक नहीं भर पाए। दर्जनों जिलों और लाखों की आबादी बाढ़ से घिरी हुई हैं। वहीं विजन डॉक्यूमेंट में चर्चा के तहत बुधवार 11 बजे शुरू हुई विधानसभा की कार्यवाही पूरी रात चलती रही। यह कार्यवाही आज सुबह 11 बजे तक चलेगी। रात भर बारी-बारी संबंधित विभाग के मंत्री बोलते रहे। विपक्षी नेताओं ने भी अपनी बात रखी। सदन में रात में कई बार सत्ता और विपक्ष के नेताओं के बीच वाद-प्रतिवाद की भी स्थिति बनी।

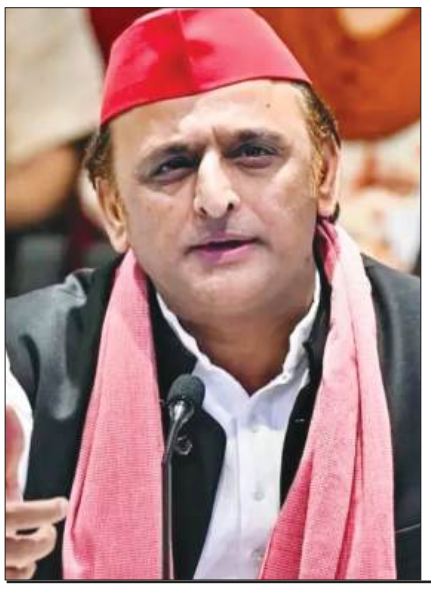

बंद होते स्कूल भाजपा के विजन का असली चेहरा दिखा रहे

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने नौ साल में जिला स्तर का एक भी अस्पताल नहीं बनाया। एंबुलेंस सेवाओं को बर्बाद कर दिया। स्कूल बंद किये जा रहे हैं। सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में बेचा जा रहा है। आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा का एक ही विजन है- जनता को गुमराह करना और धोखा देना। टूटती सड़कें, ढहती टंकियां, धंसते पुल, गड्ढे वाली सड़कें, अस्पतालों की बदहाली, बंद होते स्कूल भाजपा के विजन का असली चेहरा दिखाते हैं।

सपा, बसपा और कांग्रेस पर साधा निशाना

मत्स्य पालन मंत्री डॉ. संजय निषाद ने सपा, बसपा और कांग्रेस कर निशाना साधा और कहा कि हमारे आने से पहले ही कांग्रेस और बसपा साफ हो गए थे। अब बची खुची सपा भी सदन से साफ हो जाएगी। अपने विभाग का विजन 2047 हुए कहा कि मत्स्य पालकों को डिजिटल और एआई से लैस करना, आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाना ही लक्ष्य है।

सीक्रेट बैलेट से चुनाव हो तो चाणक्य फिर हार जाएंगे : सिब्बल

» कॉन्स्टीट्यूशन क्लब चुनाव के नतीजे पर रास सांसद ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजीव प्रताप रूडी ने कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) के मैनेजमेंट में अपना 25 साल पुराना दबदबा बरकरार रखा। उन्होंने इस चुनाव अपने साथी बीजेपी नेता संजीव बालियान को कड़ी टक्कर दी और बेहद रोमांचक तरीके से जीत हासिल की। इस बीच राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने इसे लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब चुनाव सीक्रेट बैलेट से होगा तो तथाकथित चाणक्य स्पष्ट रूप से हार जाएंगे। बिहार में अगर चुनाव निष्पक्ष होगा, तो चाणक्य फिर हार जाएंगे। कॉन्स्टीट्यूशन क्लब के सचिव (एडमिनिस्ट्रेशन) के लिए हुए चुनाव में राजीव प्रताप की जीत का जिक्र करते हुए कपिल सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। इसमें उन्होंने सीक्रेट बैलेट और बिहार में आगामी चुनाव का जिक्र करते हुए एक तरह से विरोधी पार्टी को घेरा। वहीं सीसीआई चुनाव में बीजेपी के अमित शाह और कांग्रेस की सोनिया गांधी समेत कई दिग्गज नेताओं ने हिस्सा लिया। अपने समर्थकों के जश्न के बीच, राजीव प्रताप रूडी ने आधी रात के बाद मीडिया को बताया कि उन्होंने 100 से ज़्यादा वोटों से जीत हासिल की है, और उनके पैनल के सदस्य, जो विभिन्न दलों से थे, ने भी जीत दर्ज की है। रूडी ने कहा, यह सभी सांसदों और उन सभी लोगों के लिए एक शानदार जीत है जो वोट देने आए थे और पिछले दो दशकों से टीम के अथक प्रयासों का समर्थन किया था। यह एक बेहतर अनुभव है।

जगन मोहन रेड्डी के बयान से भाजपा में बढ़ी टेंशन

» आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम बोले- राहुल गांधी के संपर्क में हैं चंद्रबाबू नायडू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और वाईएसआरसीपी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने दावा किया है कि सीएम चंद्रबाबू नायडू तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के जरिए राहुल गांधी के संपर्क में हैं। जगन मोहन रेड्डी ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और सवाल किया कि राहुल गांधी, वोट चोरी का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहे हैं, लेकिन वे आंध्र प्रदेश में वोट चोरी का मुद्दा क्यों नहीं उठा रहे हैं?

जगन मोहन रेड्डी ने दावा किया कि इसकी वजह ये है कि राहुल गांधी, चंद्रबाबू नायडू के संपर्क में हैं। बता दें जगन मोहन रेड्डी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब 3500 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में आंध्र प्रदेश पुलिस ने जो आरोपपत्र दायर किया है, उसमें पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी का भी नाम है।

आंध्र प्रदेश में वोट चोरी पर भी बोलें नेता प्रतिपक्ष

जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि, जब राहुल गांधी वोट चोरी की बात करते हैं, तो वे आंध्र

प्रदेश के बारे में बयान क्यों नहीं देते? जहां घोषित नतीजों और मतगणना के दिन के नतीजों के बीच 12.5 प्रतिशत वोटों का अंतर रहा। वे अरविंद केजरीवाल के बारे में क्यों नहीं बोलते? जबकि अरविंद केजरीवाल खुद विधायक का चुनाव हार गए थे, लेकिन राहुल गांधी आंध्र प्रदेश के बारे में बात नहीं करते क्योंकि चंद्रबाबू नायडू रेवंत रेड्डी के जरिए हॉटलाइन पर राहुल गांधी के संपर्क में हैं। मैं राहुल गांधी जैसे व्यक्ति पर क्या टिप्पणी करूं, जो खुद अपने काम के प्रति ईमानदार नहीं हैं?

तेजस्वी ने अब चिराग पर गिराई गाज

राजद नेता ने चिराग की पार्टी की सांसद के दो-दो वोटर आईडी दिखाकर एनडीए को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद से लगातार चुनाव आयोग और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर हमला बोल रहे हैं। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और भाजपा नेत्री के दो-दो ईपीआईसी नंबर होने के बाद अब उन्होंने चिराग पासवान की पार्टी की सांसद पर बड़ा खुलासा किया है।

कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी से वैशाली की सांसद वीणा देवी के पास दो अलग अलग ईपीआईसी नंबर है। इनके दो अलग-अलग जिलों के दो अलग-अलग लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में दो अलग-अलग वोट है।

तेजस्वी यादव ने बताया कि उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा की तरह ही इनके दो अलग अलग विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में दो अलग-अलग वोट है। इतना ही नहीं दो अलग-अलग ईपीआईसी नंबर कार्ड में इनकी दो अलग-अलग उम्र है। उन्होंने आरोप लगाया कि वीणा देवी ने भी स्क्रूक में दो अलग अलग गणना फॉर्म भरे। मतदाता सूची पुनरीक्षण में इन्होंने दो अलग अलग फॉर्म पर दो अलग अलग साइन किए होंगे। इन दो अलग-अलग फॉर्म पर चुनाव आयोग ने साइन किए कि सांसद वीणा देवी ने खुद हस्ताक्षर किया।

वोट की डकैती कर रहा चुनाव आयोग

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित नई ड्राफ्ट सूची में दो अलग अलग ईपीआईसी नंबर के साथ, दो अलग-अलग

लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, दो अलग-अलग विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र,दो अलग-अलग उम्र के साथ इनके दो अलग अलग वोट कैसे बन गए? क्या यह चुनाव आयोग द्वारा जिताने के लिए की गई धांधली, फर्जीवाड़ा और मिलीभगत नहीं है? क्या यह भारतीय जनता पार्टी का आयोग बन चुका है? क्या चुनाव आयोग इनका फैक्ट चेक कर इन्हें दो जगह से दो अलग-अलग नोटिस देगा?

'गुजरात के लोग बन रहे हैं बिहार के वोटर'

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा का एक वरिष्ठ पदाधिकारी अपना मतदाता पंजीकरण कई राज्यों में स्थानांतरित कर रहा है। ङ्क पर एक पोस्ट में, यादव ने दावा किया कि गुजरात निवासी और बिहार भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव भीखू भाई दलसानिया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी विश्वासपात्र हैं, ने गुजरात की मतदाता सूची से अपना नाम हटाकर बिहार में मतदाता के रूप में पंजीकरण करा लिया है। तेजस्वी यादव ने लिखा कि यह भीखू भाई दलसानिया जी हैं। वे गुजरात के निवासी हैं। वे बिहार भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी विश्वासपात्र हैं। उन्हें भाजपा के विशेष बिहार प्रोजेक्ट का काम सौंपा गया है। यादव ने दावा किया कि दलसानिया पहले अमित शाह के गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में मतदान करते थे और बिहार चुनाव के बाद किसी अन्य राज्य में पंजीकरण करा सकते हैं।

सरकार नहीं बताएगी हमें क्या खाना है : राज ठाकरे

» महाराष्ट्र में मीट बैन विवाद पर रार जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मीट बैन को लेकर महाराष्ट्र के कल्याण डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) के आदेश पर महाराष्ट्र में बवाल जारी है। आदेश के मुताबिक, 15 अगस्त को चिकन और मटन की दुकानें बंद रहेंगी।

विपक्ष के साथ-साथ महाराष्ट्र सरकार में उप-मुख्यमंत्री अजित पवार ने भी इसे गैर जरूरी बताया है। इस बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने गुरुवार को तीखी प्रतिक्रिया दी। राज ठाकरे ने कहा,

वेज-नॉनवेज को लेकर विवाद गलत है। सरकार होती कौन है हमें बताने के लिए कि, हमें क्या खाना चाहिए और किया नहीं। केडीएमसी ने 1988 के आदेश का जिक्र करते हुए कहा है कि कि मटन और चिकन की बिक्री पर प्रतिबंध है, न कि इसके सेवन पर। वहीं हिंदू खटीक समाज और चिकन एवं मटन व्यापारी संघ ने इसको लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है।

महाराष्ट्र व हरियाणा में अपनों से घिरी भाजपा!

महायुति में अनबन, शिंदे ने कैबिनेट मीटिंग से किया किनारा

- अपने गृह जिले में विज नहीं फहरायेंगे ध्वज, उठ रहे सवाल
- अंबाला में ध्वजारोहण राज्यपाल करेंगे
- यूपी में भी सहयोगियों में अनबन
- पहली बार होगा कि राज्य के वरिष्ठ मंत्री जिला मुख्यालय पर नहीं करेंगे झंडातोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एसआईआर व वोट चोरी के मुद्दे पर पूरे देश में निशाने पर आई भाजपा सरकार की मुश्किलें अब विपक्ष ही नहीं उसके सहयोगी और उसकी पार्टी के अपने ही सदस्य खड़ी कर रहे हैं। सबसे ज्यादा ऐसे मामले महाराष्ट्र व हरियाणा में देखने को मिल रह हैं। जहां स्वतंत्रता दिवस के अवसर कैबिनेट मंत्री अनिल विज से हक छीन लिया गया वह अब अंबाला में झंडा नही फहरा पाएंगे। राज्य में स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) को मुख्यमंत्री नायब सैनी समेत अन्य मंत्री ध्वजारोहण की रस्म निभाएंगे। लोगों को हैरानी इस बात की सरकार के वरिष्ठ मंत्री अनिल विज को ध्वजारोहण की जिम्मेदारी नहीं दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राज्य सरकार के 12 मंत्रियों, सांसद व विधायकों को जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर ध्वजारोहण की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि मंत्रिमंडल के सबसे वरिष्ठ मंत्री अनिल विज को ध्वजारोहण का दायित्व नहीं सौंपा गया। अंबाला में इस बार ध्वजारोहण राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष करेंगे। विज राज्यपाल के समारोह में केवल उनके साथ रहेंगे। हरियाणा के इतिहास में यह पहली बार होगा कि राज्य के वरिष्ठ मंत्री जिला मुख्यालय पर स्वयं ध्वजारोहण न करके राज्यपाल के ध्वजारोहण समारोह में उनकी अगवानी और मेजबानी करेंगे। फिलहाल विज ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कैबिनेट मीटिंग में शिंदे की गैरमौजूदगी ने बढ़ाई सियासी हलचल

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मंगलवार को महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक में शामिल नहीं हुए, जिससे अटकलें तेज हो गई कि वह देवेंद्र फडणवीस नीत सरकार से नाराज हैं। शिवसेना नेताओं ने इस मामले को ज्यादा तूल नहीं देते हुए कहा कि शिंदे ने श्रीनगर में अपना प्रवास बढ़ा दिया है, जहां वह पार्टी पदाधिकारी चंद्रहार पाटिल द्वारा रविवार को आयोजित रक्तदान अभियान के लिए गए थे। वहीं विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि महायुति सरकार के भीतर मतभेद के कारण उपमुख्यमंत्री कैबिनेट बैठक में शामिल नहीं हुए। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर रायगढ़ और नासिक में शिवसेना उम्मीदवारों को दरकिनार कर राकांपा मंत्री अदिति तटकरे और भाजपा मंत्री गिरीश महाजन से राष्ट्रीय ध्वज फहराने के फैसले ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। इसके एक दिन बाद, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना के वरिष्ठ विधायक भरत गोगावाले, जो रायगढ़ के संरक्षक मंत्री पद के लिए पैरवी कर रहे थे, मंगलवार को राज्य कैबिनेट की बैठक में शामिल नहीं हुए, जिससे सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में असंतोष की अटकलों को बल मिला।

राज्य के मुख्य सचिव की ओर से पत्र जारी

राज्य के मुख्य सचिव की ओर से जारी पत्र के मुताबिक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रोहतक में ध्वजारोहण करेंगे। वहीं, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण पानीपत में जबकि विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार मिड्ढा सोनीपत में ध्वजारोहण करेंगे। इसके अलावा विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार थानेसर, उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह रेवाड़ी, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा कैथल, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल महेंद्रगढ़, सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा करनाल, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा गुरुग्राम, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा फतेहाबाद, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी हिसार, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी पंचकूला, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव नूंह, खाद्य आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर सिरसा और खेल मंत्री गौरव गौतम फरीदाबाद में ध्वजारोहण करेंगे।

तीन बार दिल्ली जा चुकें हैं एकनाथ

कैबिनेट की बैठक में शामिल न होने से पहले शिंदे हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बड़े नेताओं से मिलने के लिए तीन बार दिल्ली आए थे। घटनाक्रम से वाकिफ भाजपा नेताओं ने बताया कि नवंबर में महायुति के सत्ता में आने के बाद से शिंदे कम से कम तीन मौकों पर विभिन्न कारणों से सरकारी बैठकों में शामिल नहीं हुए हैं, जबकि शिवसेना प्रमुख के प्रवक्ता ने कहा कि ऐसा सिर्फ़ दो बार हुआ है। फरवरी में शिंदे ने मुख्यमंत्री फडणवीस की अध्यक्षता में शहरी विकास विभाग से संबंधित दो बैठकों में हिस्सा नहीं लिया था, जिसका प्रमुख शिवसेना प्रमुख है। उस समय, शिंदे कथित तौर पर कई कारणों से फडणवीस से नाराज़ थे, जिनमें महायुति 3.0 में मुख्यमंत्री पद से वंचित होना भी शामिल था। तब से, वरिष्ठ भाजपा नेता ने शिवसेना प्रमुख पर अपना प्रभाव जमाने का हर मौका भुनाया। हाल ही में, फडणवीस शिवसेना नेताओं से जुड़े कई विवादों से नाराज़ हैं, जिनमें गृह राज्य मंत्री योगेश कदम, सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, खनन मंत्री शंभूराज देसाई, और विधायक संजय गायकवाड़ व संजय राठौड़ शामिल हैं। इसी तरह, घटनाक्रम से वाकिफ लोगों के अनुसार, शिंदे भी शिवसेना नेताओं को दरकिनार किए जाने या एजेंसियों द्वारा निशाना बनाए जाने के कारण फडणवीस सरकार से नाखुश हैं।

विज को 21 दिन में दूसरी बार दूर रखा गया

बीते 21 दिन में यह दूसरी बार है जब मंत्रियों को तो जिम्मेदारी दी गई, मगर विज को इससे दूर रखा गया। 22 जुलाई को भाजपा ने विधानसभा चुनाव में हारी 42 सीटों की जिम्मेदारी मंत्रियों व विधायकों को सौंपी थी, उस दौरान भी अनिल विज को किसी विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। उस दौरान राज्य के एक मंत्री ने जिम्मेदारी नहीं देने के पीछे उन्हें बीमारी बताकर विवाद को और गरमा दिया था। हालांकि अगले ही दिन मंत्री ने विज से मुलाकात कर कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। उस समय भी विज ने कोई टिप्पणी नहीं की थी।

बिहार में अलग मोर्चा बनाकर चुनाव लड़ेंगे राजभर!

रालोद पर भाजपा मंत्री की टिप्पणी से पहले उसके एक और मजबूत सहयोगी सुभासपा के ओपी राजभर ने भाजपा को आंखे दिखाया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि बिहार में उनका राजग से गठबंधन नहीं होता है तो वह मोर्चा बनाकर अवश्य चुनाव लड़ेंगे, इससे उनके मंत्री पद पर कोई खतरा नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें मंत्री पद का लालच नहीं है। राजभर ने सुभासपा की एक समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि बिहार में राजग से अलग चुनाव लड़ने पर उनके मंत्री पद पर कोई खतरा नहीं है। राजभर ने एक

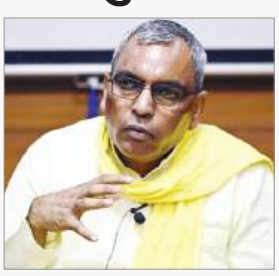

सवाल के जवाब में कहा, हम कहां कह रहे हैं कि बिहार में गठबंधन नहीं करेंगे, हमारी तो पहली कोशिश यही है कि हम लोग राजग गठबंधन से मिलकर चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा, 2025 में बिहार में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का यदि गठबंधन नहीं होता है तो फिर मोर्चा बनाकर अवश्य चुनाव लड़ेंगे। जब उनसे बिहार में अलग चुनाव लड़ने पर राजग से रिश्तों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें मंत्री पद का लालच नहीं है।

राज्यपाल की मेजबानी डीसी व एसपी करते हैं : विशेषज्ञ

हाईकोर्ट के एडवोकेट व प्रशासनिक मामलों के जानकार हेमंत कुमार ने बताया राज्यपाल के ध्वजारोहण कार्यक्रम में आगवानी व मेजबानी की जिम्मेदारी संबंधित जिले के उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक की भूमिका अदा करते रहे हैं। यह पहली बार होगा कि जब राज्य के वरिष्ठ मंत्री राज्यपाल की मेजबानी करेंगे।

भाजपा और रालोद में भी तनातनी

मथुरा की छाता विधानसभा सीट से विधायक और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने रालोद को पटपांव (दुर्भाग्यशाली) बताते हुए कहा कि जिस पार्टी के साथ उसका गठबंधन हुआ, उसका सूपड़ा साफ हो गया। भाजपा-रालोद के गठबंधन के कारण लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 से 240 सीटों पर आ गई। जयंत चौधरी अचानक ही पूर्व

मंत्री तेजपाल सिंह के आवास पर पहुंचे थे। इसके बाद आगामी विधानसभा चुनाव में छाता सीट रालोद के खाते में आने की चर्चा शुरू हो गई थी। इसको लेकर जब कैबिनेट मंत्री से बात की गई तो उन्होंने रालोद को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि रालोद की स्थापना का मुहूर्त ऐसा हुआ कि वह जिसके साथ गई, उसका सूपड़ा साफ हो गया। कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, वीपी सिंह, नरसिम्हा राव, एचडी देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी का रालोद गठबंधन के चलते सूपड़ा साफ हो गया। मंत्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने प्रदेश की राजनाथ सरकार और सपा के साथ रालोद के गठबंधन के चलते उनका पत्ता साफ होने की भी बात कही। उन्होंने दावा किया जब भाजपा के साथ रालोद का गठबंधन अटल जी के समय हुआ था तो उन्होंने भाजपा के तत्कालीन सीएम राजनाथ सिंह को रालोद के पटपांव होने के प्रति आगाह किया था। गठबंधन के बाद भी मुजफ्फरनगर और कैराना जैसी सीटें भाजपा हार गई।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विकास कार्यों के समय पर्यावरण की रक्षा जरूरी

“ उच्चतम न्यायालय ने बुधवार अर्थात 13 अगस्त को तेलंगाना सरकार को कांचा गाचीबोवली वन स्थल के समग्र पुनरुद्धार के वास्ते एक ''अच्छा प्रस्ताव'' पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया और कहा कि राज्य सरकार को काटे गए पेड़ों को फिर से लगाना होगा।

देश में अंधाधुन व अनियोजित तरीके से हो रहे विकास कार्यों को लेकर शीर्ष अदालत ने एक आंख खोल देने वाली टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विकास कार्य करते समय पर्यावरण की रक्षा करना जरूरी है। उच्चतम न्यायालय का यह बयान नीति नियंताओं को आईना दिखाने वाला है। अपाको बता दें कांचा गाचीबोवली वनक्षेत्र में वनों की कटाई की गतिविधियों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए, उच्चतम न्यायालय ने तीन अप्रैल को अगले आदेश तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार अर्थात 13 अगस्त को तेलंगाना सरकार को कांचा गाचीबोवली वन स्थल के समग्र पुनरुद्धार के वास्ते एक ''अच्छा प्रस्ताव'' पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया और कहा कि राज्य सरकार को काटे गए पेड़ों को फिर से लगाना होगा। प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि वन क्षेत्र को बहाल किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन पर्यावरण की रक्षा की जानी चाहिए।

पीठ ने मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद के लिए स्थगित करते हुए कहा, समय-समय पर न्यायालय कहता रहा है कि हम विकास के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यह सतत विकास होना चाहिए विकास संबंधी गतिविधियां करते समय, पर्यावरण और वन्य जीवन के हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए तथा क्षतिपूर्ति के उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए। यदि सरकार ऐसा कोई प्रस्ताव लेकर आती है तो हम उसका स्वागत करेंगे। तेलंगाना सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि राज्य सरकार पूरे प्रस्ताव पर समग्र रूप से विचार कर रही है, जिसमें पर्यावरण और वन्यजीवों के हितों को विकास कार्यों के साथ संतुलित करने का प्रयास किया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने 15 मई को कहा था कि हैदराबाद विश्वविद्यालय के निकट पेड़ों की कटाई प्रथम दृष्टया पूर्व नियोजित प्रतीत होती है। अदालत ने तेलंगाना सरकार से कहा था कि वह इसे बहाल करे अन्यथा उसके अधिकारियों को जेल हो सकती है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा था कि यह सरकार पर निर्भर है कि वह जंगल को बहाल करे या अपने अधिकारियों को जेल भेजे। कांचा गाचीबोवली वनक्षेत्र में वनों की कटाई की गतिविधियों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए, उच्चतम न्यायालय ने तीन अप्रैल को अगले आदेश तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। न्यायालय ने पेड़ों की कटाई के लिए जल्दबाजी में की गई कार्रवाई के लिए 16 अप्रैल को तेलंगाना सरकार को फटकार लगाई थी और निर्देश दिया था कि यदि वह चाहती है कि उसके मुख्य सचिव को किसी भी गंभीर कार्रवाई से बचाया जाए, तो उसे 100 एकड़ वन-रहित भूमि को बहाल करने के लिए एक विशिष्ट योजना प्रस्तुत करनी होगी। ये एक अच्छा फैसला है और इससे देश में पर्यावरण को कम क्षति भी पहुंचेगी। इसका परिणाम आने वाले समय अच्छा देखने को मिलेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अपराधियों से पहले अफवाहों पर लगे अंकुश

डॉ. रमेश ठाकुर

‘ड्रोन गिरोह’ की अफवाहों से कई राज्यों में दहशत की स्थिति बनी हुई है। प्रभावित दो-तीन राज्यों में कथित ड्रोन चोरों से लोग इतने भयभीत हैं कि रातों में जाग-जाग कर अपने घरों और परिजनों की पहरेदारी कर रहे हैं। डरे हुए लोग ‘ड्रोन चोरों’ को ‘आसमानी चोर’ कहने लगे हैं। आकाश में रात के वक्त सैकड़ों फुट ऊंचाई पर मंडराते कथित रहस्यमय ड्रोनों से सन्नाटा इस कदर फैला है कि पत्तों की सरसराहट या झींगुरों की भिनभिनाहट मात्र से भी लोग डर जाते हैं। बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस महकमा भी अलर्ट मोड पर है। रात में जायजा लेने को पुलिस-प्रशासन के आला अफसर भी ग्राउंड जीरो पर उतरे हुए हैं। दरअसल, अफवाह ग्रामीणों की नासमझी से ज्यादा फैल रही है। ड्रोन दिखाई पड़ने पर वह पुलिस से संपर्क करने के बजाय सोशल मीडिया पर अनाप-शनाप गलत सूचनाएं फैला देते हैं, जिससे स्थिति विकट हो रही है।

हालांकि, ऐसे लोगों पर पुलिस सख्ती भी दिखा रही है। पिछले दो सालों से ‘स्वामित्व योजना’ के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण भी ड्रोनों से करवा रही है। योजना मार्च-2026 तक पूरी होनी है। करीब 3 लाख 44 हजार गांवों का सर्वेक्षण होना है। इसके पीछे सरकार का मकसद ग्रामीण संपत्ति के मालिकों को उनकी संपत्ति का मास्टर कार्ड वितरण करना है। करीब 92 फीसदी कार्य ‘ड्रोन मैपिंग’ से पूरा हो चुका है, जिसमें 31 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश शामिल हैं। सवाल उठता है क्या इस वक्त जो ड्रोन उड़ रहे हैं, वो इसी योजना का हिस्सा हैं? हालांकि अभी तक कोई तथ्यात्मक सच्चाई बाहर नहीं निकल पाई। प्रथम दृष्टया प्रशासन ने ड्रोन घटनाओं को अफवाह ही माना है। कहीं ड्रोन की घटनाओं के पीछे कोई ऐसी हकीकत तो नहीं छिपी जिसे शासन-प्रशासन और सुरक्षा महकमा सार्वजनिक न करना चाहता हो? राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा तो कोई मसला नहीं? सच्चाई के असल नतीजों तक अभी कोई नहीं पहुंच पाया। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अनेक जिलों में इस समय ड्रोन लुटेरों की ही चर्चाएं हैं।

धीरे-धीरे ये दहशत अब अन्य राज्यों में भी फैलती जा रही है। बिहार के सासाराम और मध्यप्रदेश के गुना जिले में भी ड्रोन उड़ते देखे गए हैं। अफवाहें हैं कि चोर रात्रि में घरों का ड्रोन से सर्वेक्षण करते हैं और अगली रात धावा बोलते हैं। एकाध घटनाएं घटी भी हैं, लेकिन उन घटनाओं से कोई

हकीकत सिद्ध नहीं हुई। पुलिस-प्रशासन दोनों भी इस अनसुलझी पहेली में उलझे हुए हैं। प्रशासनिक स्तर पर ड्रोन की घटनाएं बेशक अफवाह बताई जा रही हों लेकिन ग्रामीण मानने को राजी नहीं? बीते मात्र तीन हफ्तों में उत्तर प्रदेश में 365 और उत्तराखंड में 245 ऐसी घटनाएं घटी हैं। गौरतलब है कि अफवाहों के गर्भ से निकली कथित ड्रोन चोरों की ये घटनाएं अब हिंसा में बदलने लगी हैं। गत दिनों बिजनौर के कोतवाली क्षेत्र में रात के वक्त एक घटना घटी, जिसमें एक औरत की हत्या का प्रयास हुआ। सुबह पुलिस ने छानबीन कर आसपास के लोगों से पूछताछ की, तो पता चला कि महिला पर हमला ड्रोन चोरों ने नहीं, बल्कि पड़ोसी ने किया, जिनसे उनका पुराना जमीन विवाद है। चोर समझकर अंधेरे में चलने वाले राहगीरों के साथ मारपीट की घटनाएं भी बढ़ी हैं। शराबियों की तो शामत ही आई हुई है। बिना किसी वजह हादसे का शिकार न हो जाएं, इसलिए रात्रि पाली में काम करने वाले कर्मचारी भी घरों से बाहर नहीं निकल रहे। ऐसी भी घटनाएं खूब सामने आ रही हैं, जहां ड्रोन चोरों की आड़ में लोग अपनी पुरानी दुश्मनी निकाल रहे हैं। दशहत और अफवाहें इस कदर देहातों में व्याप्त है कि आसमान में चमकती रोशनी को भी ड्रोन समझ कर अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। उत्तर प्रदेश में कथित ड्रोन चोरों ने कुछ ज्यादा माहौल बिगाड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने तत्काल आपातकाल बैठक बुलाई। हालांकि, उससे पहले ही अधिकारियों ने शासन को बताया था कि ‘ड्रोंस के मामले’ में कुछ उत्पाती लोग उन्माद फैलाने की फिराक में हैं। शासन ने निर्णय लिया है कि ड्रोन के जरिए डर पैदा करने या गलत सूचना फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। लेकिन, शासकीय चेतावनी के बाद भी ड्रोन उड़ने की चर्चा लगातार जारी है।

दो दिन पहले भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर एक और उच्च-स्तरीय बैठक हुई, जिसमें बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश पारित हुआ। जिसके उल्लंघन में कुछ यूट्यूबर और कैटरिंग वाले पकड़े गए। फिलहाल, पुलिस की पूछताछ में उनकी ड्रोन हरकतों में संलिप्ता नहीं मिली। गौतललब है, भारत के विभिन्न प्रदेशों में समय-समय पर किस्म-किस्म के चोर गिरोहों से अफवाहें फैलती रही हैं।

विषमता की खाइयां पाटना वक्त की जरूरत

विश्वनाथ सचदेव

‘स्वराज में राहत तो होगी/ मजदूर मगर भूखा होगा/ उसके बदले की रोटी/ दौलत वाला खाता होगा... आजादी चीज तो अच्छी है/ लेकिन है पैसे वालों की/ मजदूर को मजदूरी करनी/ गोरों के बजाय कालों की...।’ यह पंक्तियां किसने लिखी हैं, यह तो नहीं पता, पर इतना अवश्य पता है कि आजादी की लड़ाई के दौरान कुछ लोग इस तरह के गीत भी गाया करते थे। मैंने अपने पिताजी से बचपन में ये पंक्तियां सुनी थीं और यह बात वे तब कहते थे जब देश में आर्थिक या सामाजिक विषमता का कोई मुद्दा उठता था। समानता और बंधुता के सारे दावों के बावजूद विषमता की खाइयों की गहराइयां कम नहीं हो रहीं। बड़े-बूढ़ों से यह बात हम अक्सर सुनते रहते हैं कि आजादी पा लेने के बावजूद देश में समानता का वह सपना कहीं पूरा होते नहीं दिखता जो हमारे स्वतंत्रता सेनानी देखा करते थे। यह एक सच्चाई अपने आप में बहुत कुछ कह देती है कि देश की आबादी के दस प्रतिशत ऊपरी हिस्से के पास देश की राष्ट्रीय संपत्ति का 77 प्रतिशत हिस्सा है!

आज जबकि हम अपनी आजादी के 78वें साल में दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने की ओर तेज़ी से बढ़ने के दावे कर रहे हैं, करोड़ों को गरीबी रेखा से उबारने की दुहाई दे रहे हैं, दुनिया की सबसे तेजी से सुधरती अर्थव्यवस्था होने का दम भर रहे हैं, स्वयं को विश्वगुरु मान रहे हैं तो यह सवाल उठना ही चाहिए कि देश की 80 प्रतिशत आबादी को सरकार द्वारा दिये जाने वाले प्रतिमाह 5 किलो अनाज पर जीवन-यापन क्यों करना पड़ रहा है? सरकारी मदद को भीख कहना अच्छा नहीं लगता है, पर हकीकत है- इससे भी तो इन्कार नहीं किया जा सकता। बरसों पहले भारत की संसद में उठा तीन आने और तेरह आने वाला सवाल एक तरह से आज भी मुंह बाये हमारे सामने खड़ा है।

देश की आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए समाजवादी विचारक और नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को चुनौती दी थी कि वे इस स्थापना को गलत साबित करके बतायें कि देश के 27 करोड़ लोग तीन आने से भी कम पैसे में अपना जीवन-यापन करने के लिए विवश हैं। तब रुपये में सोलह आने हुआ करते थे और देश की आबादी भी 50-55 करोड़ थी। अपने उस भाषण में डॉ. लोहिया ने देश की संसद में कहा था, ‘देश के प्रधानमंत्री पर प्रतिदिन पच्चीस हज़ार रुपये खर्च होते हैं! जबकि, देश का आम नागरिक प्रतिदिन तीन आने में अपना काम चलाने के लिए बाध्य है।’ ज्ञातव्य है कि तब प्रधानमंत्री नेहरू ने डॉ. लोहिया की इस स्थापना को गलत तो कहा था, पर उन पर देशद्रोही होने का आरोप नहीं लगाया था। आजादी की लड़ाई के दौरान स्वराज में मजदूर के भूखा सोने की बात कहने वाले की आलोचना तब भी होती थी, पर उन्हें देशद्रोही नहीं समझा जाता था। आज हम आज़ाद हैं, और आजादी का तकाज़ा है कि हम सतत? सावधान रहने की शर्त को पूरा करने वाले नागरिक सिद्ध हों। नागरिक की जागरूकता स्वतंत्र देश की सार्थकता की पहली शर्त है।

आज जबकि हम आजादी की 78वीं सालगिरह मनाए जा रहे हैं, हममें से हर एक को अपने आप से यह पूछना होगा कि सतत? जागरूकता की इस कसौटी पर हम कितना सफल सिद्ध होते हैं? पूछना तो हमें अपने आप से यह भी है कि क्या वह पूरी आजादी हमने पा ली है जिसकी शपथ 95वें साल पहले हमने रावी नदी के तट पर ली थी? यह पूरी आज़ादी की शपथ देश ने कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में ली थी। इस पूरी आज़ादी का मतलब सिर्फ अपना शासन नहीं था। पूरी आजादी का मतलब था वह सोच जो हर नागरिक को खुली हवा में सांस लेते हुए राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक प्रगति का समान अवसर देती है। स्वतंत्रता को किसी भी कीमत पर महंगी न समझने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, ‘जब तक हम पूर्ण स्वतंत्र नहीं हैं, हम गुलाम ही हैं।’ आज बापू के इन शब्दों को सही अर्थों में समझने की आवश्यकता है। पूरी आजादी का मतलब है समान अधिकारों और समान अवसरों के साथ जी पाना। क्या ऐसी स्थिति है हमारे देश में? आज़ादी की लड़ाई के दौरान जिस तरह राहत की बात कवि कर रहा था, क्या सचमुच हमने वह राहत पा ली है? हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्र भारत में एक ऐसे मानव-समाज की कल्पना की थी जिसमें हर नागरिक को समान अधिकारों के साथ जीने का अधिकार भी मिलेगा और अवसर भी। उस स्वतंत्रता में कोई छोटा या बड़ा नहीं होगा।

स्वतंत्र भारत में समानता का मतलब वह व्यवस्था होगी जिसमें झोपड़ी कुछ ऊंची होगी, महल कुछ नीचा। जाति और वर्ण के आधार पर किसी को नीचा या ऊंचा नहीं माना जायेगा। हमारे संविधान का आमुख हर नागरिक को न्याय पाने का पूरा अधिकार देता है। समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता की यह स्थितियां क्या हमने पा ली हैं? एक सवाल और जो हमें अपने आप से पूछना चाहिए वह यह है कि क्या हम सचमुच स्वतंत्रता और स्वराज का मतलब समझते हैं? स्वतंत्रता बंधन से मुक्ति का नाम है और स्वराज का मतलब है निज-शासन की युक्ति। स्वतंत्रता कुछ बंधन लाती है अपने साथ। बंधन अर्थात संयम। बंधन अर्थात मर्यादाओं में जीने की युक्ति। यह तो सब जानते हैं कि स्वराज का मतलब सत्ता का अपने अथवा अपनों के हाथ में आना है, पर हम में से कितने लोग यह समझते हैं कि स्वराज का मतलब यह भी है कि हम सत्ता के अनुचित उपयोग के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी अपने भीतर जगायें? अन्याय के विरोध का भाव जगाना ही पर्याप्त नहीं है।

स्वतंत्रता दिवस

जन गण मन अधिनायक जय हे...

15 अगस्त 2025, शुक्रवार को पूरे भारत के लोगों द्वारा मनाया जायेगा। इस साल 2025 में भारत में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जायेगा। 15 अगस्त 1947 को भारत में प्रथम स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। हमारे देश का तिरंगा जब शान से लहराता है तो हर भारतीय का सीना गर्व से फूल कर चौड़ा हो जाता है, यह पल गर्व से भर देने वाला होता है। आज की तारीख भारत की आजादी के इतिहास में खास दिन है, जिसे साकार करने के लिए देश के अनेक वीर सपूतों ने हंसते-हंसते अपनी जान कुर्बान कर दी थी, वीरांगनाएं भी बलिदान देने से पीछे नहीं हटीं। स्वतंत्रता दिवस एक विशेष दिन है। भारत को 190 वर्षों की लंबी लड़ाई के बाद, 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश सरकार और उनके क्रूर नियमों से आजादी मिली थी। ब्रिटिश शासन से मिली देश की आजादी को चिह्नित करने के लिए हर साल स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह देशभक्ति के उत्साह, ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और नेताओं के भाषणों से भरा एक विशेष अवसर होता है।

ऐसे हुई थी राष्ट्रीय ध्वज की रचना

बताया जाता है कि 1916 में आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने एक ऐसे झंडे के बारे में सोचा जो सभी भारतवासियों को एक धागे में पिरोकर रखे। उनकी इस पहल पर एस.बी. बोमान जी और उमर सोमानी का साथ मिला और इन तीनों ने मिलकर नेशनल फ्लैग मिशन की स्थापना की। वहीं पिंगली वैकेंया महात्मा गांधी से काफी प्रेरित थे। महात्मा गांधी ने उन्हें इस ध्वज के बीच में अशोक चक्र रखने की सलाह दी जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने का संकेत बनेगा।

आजादी का प्रतीक

भारत में पतंग उड़ाने का खेल भी स्वतंत्रता दिवस का प्रतीक है, विभिन्न आकार प्रकार और स्टाईल के पतंगों से भारतीय आकाश पट जाता है। इनमें से कुछ तिरंगे के तीन रंगो में भी होते हैं, जो राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित करते हैं। स्वतंत्रता दिवस का दूसरा प्रतीक नई दिल्ली का लाल किला है जहां 15 अगस्त 1947 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने तिरंगा फहराया था।

स्वतंत्रता दिवस का इतिहास

कई सालों के संघर्ष के बाद भारतीयों ने मांग की कि अंग्रेज़ देश पर अपना कब्ज़ा छोड़ दें। भारत के आखिरी ब्रिटिश गवर्नर-जनरल माउंटबेटन ने 15 अगस्त 1947 को सत्ता भारत को सौंप दी और इसे यह कहकर उचित ठहराया कि वह खून-खराबा या दंगे नहीं चाहते। जवाहरलाल नेहरू ने 15 अगस्त 1947 को भारत की स्वतंत्रता की घोषणा की। इसके बाद उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

स्वतंत्रता का महत्व

स्वतंत्रता किसी भी व्यक्ति के लिए महत्व रखने वाली है और भारतीय स्वतंत्रता दिवस भी हमारे लिए उतना ही महत्व रखता है। और हम सभी भारतीय आजादी का महत्व समझते हैं और उन सभी बलिदानी वीरों को याद करते हैं जिन्होंने हमारे लिए जान गंवाई। सभी व्यक्तियों में देशभक्ति की भावना जागृत होती है और अपने राष्ट्रीय शहीद और प्रतिको के लिए सम्मान की भावना जागृत होती है। स्वतंत्रता दिवस का महत्व इसीलिए भी है की, इस दिन लोगों को भारत की स्वतंत्रता के महत्व और लोगों को भारत की स्वतंत्रता का प्रचार- प्रसार करने की शिक्षा सरकारी विभागों द्वारा दी जाती है। भारत की स्वतंत्रता के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता और महत्व के बारे में लोगो को जागरुक करने के लिए स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।

79वें स्वतंत्रता दिवस की थीम

आजादी का अमृत मोहत्सव समारोह के श्रृंखला में, स्वतंत्रता दिवस 2025 की थीम **स्वतंत्रता दिवस: भारत के लिए गौरवशाली विरासत** होगी। इस प्रयास के हिस्से के रूप में, सरकार विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं को चलाने के लिए प्रतिबद्ध है जो देश के भीतर मौजूद विभिन्न संस्कृतियों का सम्मान करेगी।

हंसना मना है

मम्मी: पेपर कैसा था?
बेटा : पतला सा था, सफेद रंग का। मम्मी : मेरा मतलब है कि पेपर कैसा हुआ? बेटा : फिफ्टी- फिफ्टी। मम्मी : मैं समझी नहीं? बेटा : जो पेपर में लिखा था वह मेरी समझ में नहीं आया। लेकिन मैंने जो कापी में लिखा है, वह जांचने वाले की समझ में नहीं आएगा।

गोलू: भाई मुझे हाथ देखना आता है। मोलू: अच्छा मेरा देख जरा। गोलू: तुम्हारी हस्तरेखा बताती हैं कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है। मोलू: ठीक कहा गोलू, मेरे घर के नीचे SBI बैंक की ब्रांच है।

बस स्टैंड पर खड़ी पड़ोस की लड़की से फिल्मी स्टाइल में पप्पू बोला...पप्पू : प...प...प...प्रिया...तेरी आंखों में मुझे मेरी पत्नी नजर आ रही है... लड़की- थप्पड़ लगाकर बोली...सूरत देखी है? पप्पू: नहीं, बस एक बार अहमदाबाद तक गया हूं।

कहानी | कद्दू की तीर्थयात्रा

हमारे यहां तीर्थ यात्रा का बहुत ही महत्त्व है। पहले के समय यात्रा में जाना बहुत कठिन था। पैदल या तो बैल गाड़ी में यात्रा की जाती थी। विविध प्रकार के लोगो से मिलना होता था। विविध बोली और विविध रीति-रीवाज से परिचय होता था। कंई कठिनाईओ से गुजरना पड़ता, कंई अनुभव भी प्राप्त होते थे। एकबार तीर्थ यात्रा पे जानेवाले लोगो का संघ संत तुकाराम जी के पास जाकर उनके साथ चलने की प्रार्थना की। तुकारामजी ने अपनी असमर्थता बताई। उन्होंने तीर्थयात्रियो को एक कड़वा कद्दू देते हुए कहा-मै तो आप लोगो के साथ आ नहीं सकता लेकिन आप इस कद्दू को साथ ले जाईए और जहां - जहां भी स्नान करे, इसे भी पवित्र जल में स्नान करा लाये। लोगो ने उनके गूढार्थ पे गौर किये बिना ही वह कद्दू ले लिया और जहां-जहां गए, स्नान किया वहां-वहां स्नान करवाया, मंदिर में जाकर दर्शन किया तो उसे भी दर्शन करवाया। ऐसे यात्रा पूरी होते सब वापस आए और उन लोगो ने वह कद्दू संतजी को दिया। तुकारामजी ने सभी यात्रिओ को प्रीतिभोज पर आमंत्रित किया। तीर्थयात्रियो को विविध पकवान परोसे गए। तीर्थ में घूमकर आये हुए कद्दू की सब्जी विशेष रूपसे बनवायी गयी थी। सभी यात्रिओ ने खाना शुरू किया और सबने कहा कि यह सब्जी कड़वी है। तुकारामजी ने आश्चर्य बताते कहा कि यह तो उसी कद्दू से बनी है, जो तीर्थ स्नान कर आया है। बेशक यह तीर्थाटन के पूर्व कड़वा था, मगर तीर्थ दर्शन तथा स्नान के बाद भी इसी में कड़वाहट है ! यह सुन सभी यात्रिओ को बोध हो गया कि 'हमने तीर्थाटन किया है लेकिन अपने मन को एवं स्वभाव को सुधारा नहीं तो तीर्थयात्रा का अधिक मूल्य नहीं है। हम भी एक कड़वे कद्दू जैसे कड़वे रहकर वापस आये है।'

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज वाणी पर नियंत्रण रखें। माता के स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। नौकरीपेशा अपने विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

मिथुन

बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क

थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। समय अच्छा व्यतीत होगा।

सिंह

विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

कन्या

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक

दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु

आज धन के लेन-देन में जल्दबाजी न करें। नौकरीपेशा हेतु समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

मकर

वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। लाभ होगा।

कुम्भ

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। मनोरंजन होगा।

मीन

बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

अब जॉली की जॉली से होगी सीधी टक्कर

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का टीजर आज रिलीज हो गया है। इस बार फिल्म में दोनों जॉली नजर आएंगे और एक-दूसरे का मुकाबला करते दिखेंगे। टीजर काफी मजेदार लग रहा है। जिसमें अरशद वारसी और अक्षय कुमार के अलावा सौरभ शुक्ला भी नजर आए हैं। जानिए टीजर में क्या है खास।

1 मिनट 30 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत केस की सुनवाई के अनाउंस के साथ होती है। जिसमें जगदीश त्यागी उर्फ जॉली फ्रॉम मेरठ यानी अरशद वारसी का नाम पुकारा जाता है। इसके बाद अरशद वारसी स्कूटर पर सवार और फिर कोर्ट में दिखाई देते हैं। फिर एंट्री होती है एक बार फिर जज के किरदार में नजर आने वाले सौरभ शुक्ला की। इसके बाद डिफेंस के वकील के रूप में एंट्री

होती है जगदेश्वर मिश्रा उर्फ जॉली फॉम लखनऊ यानी अक्षय कुमार की। फिर शुरू होता है दोनों के बीच केस और फिल्म की मजेदार कहानी। टीजर में फिल्म की स्टोरी की हल्की सी झलक देखने को मिली है, जो ये दर्शाती है कि इस बार मजा तीन गुना होने वाला है।

रिलीज हुआ 'जॉली एलएलबी 3' का टीजर

सुभाष कपूर द्वारा निर्देशित 'जॉली एलएलबी 3' 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला के अलावा हुमा कुरैशी और अमृता राव भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म को लेकर लोगों में काफी उत्साह बना हुआ है और वो बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं

ये फिल्म 'जॉली एलएलबी' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। इससे पहले इसी नाम से दो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। सबसे पहले साल 2013 में 'जॉली एलएलबी' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला और बोमन ईरानी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। इसके बाद 2017 में फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज हुआ था। इसमें अरशद वारसी की जगह अक्षय कुमार जॉली के किरदार में नजर आए थे। इसमें अक्षय कुमार के साथ अन्नू कपूर, हुमा कुरैशी और सौरभ शुक्ला प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई दिए हैं। अब लगभग आठ साल बाद फिल्म का तीसरा पार्ट रिलीज होने जा रहा है।

फिल्म अल्फा में एक साथ नजर आयेंगी आलिया और शरवरी वाघ

कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस यशराज फिल्म्स की अपकमिंग फिल्म अल्फा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ एक साथ नजर आएंगी। कोरियोग्राफर का कहना है कि फिल्म में एक्शन होगा। फिल्म में स्टाइल और बेहतरीन डांस मूव्स भी हो सकते हैं।

बॉस्को ने फिल्म की अभिनेत्रियों द्वारा किये गए काम की तारफी की है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि फिल्म में सभी का काम एकदम अलग होने वाला है। मुझे लगता है कि फिल्म में दोनों का काम काफी बड़ा होगा। उनका लुक बेहतरीन होगा। फिल्म में आपको आलिया

और शरवरी वाघ एकदम अलग लुक में दिखेंगी। उनके लुक में जो बदलाव होगा वह एकदम नया होगा। मैं ज्यादा कुछ तो नहीं कहूंगा लेकिन इतना जरूर है कि दोनों ने फिल्म में बहुत अच्छा काम किया है।

बॉस्को फिल्म वॉर, पठान और बैंग बैंग जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कोरियोग्राफी के लिए मशहूर हैं। उन्होंने इशारा किया कि फिल्म अल्फा दर्शकों को सिर्फ डांस नंबर्स से कहीं ज्यादा कुछ दिखाएगी। इसमें अभिनेत्रियों को बिल्कुल नए अंदाज में दिखाया जाएगा। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा मुझे पूरा भरोसा है कि आप फिल्म में बहुत कुछ दमदार देखने वाले हैं।

फिल्म अल्फा के बारे में जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। हालांकि इतना मालूम है कि यह फिल्म आलिया भट्ट की पहली एक्शन फिल्म होगी। शरवरी भी फिल्म में एक्शन करती हुई नजर आएंगी। बताया जाता है कि कोरियोग्राफी इस फिल्म की कहानी को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। फिल्म का निर्देशन शिव रवैल ने किया है। यह फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के बैनर तले बन रही है।

बॉलीवुड **मन की बात**

हर रिजेक्शन केवल एक दरवाजा बंद नहीं करता, बल्कि कई नए रास्ते भी खोलता है : अभिनव

आ बॉलीवुड और टेलीविजन की दुनिया में संघर्ष और रिजेक्शन आम बात है, लेकिन कुछ अनुभव ऐसे होते हैं जो कलाकार के आत्मबल को पूरी तरह बदल देते हैं। अभिनेता और बिग बॉस 14 फेम अभिनव शुक्ला ने हाल ही में अपनी ऑडिशन से जुड़ी एक घटना शेयर की, जो न सिर्फ उनके लिए एक सीख बनी, बल्कि हजारों उभरते कलाकारों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। यह घटना वर्ष 2014 की है, जब अभिनव की फिल्म 'रोर' रिलीज के करीब थी। उन्होंने अपने शुभचिंतकों के कहने पर यशराज फिल्म्स की कास्टिंग डायरेक्टर से मिलने का फैसला किया। शानू शर्मा के साथ यह मुलाकात उनके करियर का मोड़ बन सकती थी, लेकिन कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें यह कहकर नकार दिया कि वो अच्छे दिखते हैं, पर उनमें स्पार्क नहीं है। ये शब्द उनके आत्मविश्वास को ठेस पहुंचाने वाले थे। अभिनव ने खुद पोस्ट शेयर करते हुए ये सब बताया है। हालांकि, अभिनव ने हार नहीं मानी। उन्होंने इस तजुर्बे का इस्तेमाल किया और अपने अंदर सुधार की कोशिशें जारी रखीं। वर्षों बाद, किस्मत उन्हें एक अलग मोड़ पर लेकर आई, जब वह दिग्गज निर्देशक संजय लीला भंसाली से मिलने पहुंचे। यहां उन्हें बिल्कुल विपरीत प्रतिक्रिया मिली। भंसाली ने न सिर्फ उनकी प्रतिभा की सराहना की, बल्कि यह भी पूछा कि उन्होंने अब तक ज्यादा काम क्यों नहीं किया। हालांकि फिल्म इंशाअल्लाह बाद में ठंडे बस्ते में चली गई, लेकिन अभिनव के लिए ये अनुभव कम नहीं था। उन्होंने इस मुलाकात से ये सीखा कि कभी-कभी जो लोग आपकी कद्र नहीं करते, वो आपको उन लोगों तक पहुंचाने का जरिया बन जाते हैं जो आपकी प्रतिभा को सच्चे मन से समझते हैं। अभिनव शुक्ला ने इस अनुभव को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए यह संदेश दिया कि हर रिजेक्शन केवल एक दरवाजा बंद नहीं करता, बल्कि कई नए रास्ते भी खोलता है।

जिंदगी भर बड़ा होता रहता है ये अंग, बुढ़ापे में लटक जाता है नीचे

इंसानी शरीर एक ऐसा चमत्कार है, जो हर दिन हमें हैरान करता है। हमारे शरीर के अंगों का विकास बचपन से युवावस्था तक होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ अंग ऐसे हैं जो मरने तक बढ़ते रहते हैं? जी हां, हम बात कर रहे हैं कान और नाक की, जो उम्र के साथ ना केवल बड़े होते हैं, बल्कि बुढ़ापे में गुरुत्वाकर्षण के कारण नीचे लटककर और लंबे दिखने लगते हैं। यह अनोखा तथ्य सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इंसान के शरीर में कान और नाक दो ऐसे अंग हैं, जो जिंदगी भर बढ़ते रहते हैं। यह सुनकर शायद आपको आश्चर्य हो क्योंकि आमतौर पर हम सोचते हैं कि शरीर का विकास युवावस्था तक ही पूरा हो जाता है। लेकिन कान और नाक में मौजूद कार्टिलेज (उपास्थि) ऊतक उम्र के साथ बढ़ता रहता है। कार्टिलेज एक लचीला ऊतक है, जो हड्डियों की तुलना में अधिक समय तक बढ़ने की क्षमता रखता है। इसके अलावा, जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, त्वचा अपनी लोच खो देती है और हड्डियां कमजोर होने लगती है। इस कारण गुरुत्वाकर्षण का प्रभाव कान और नाक पर अधिक पड़ता है, जिससे ये नीचे की ओर लटकने लगते हैं और लंबे दिखाई देते हैं। डॉ. नीलम शर्मा, जो दिल्ली में एक प्रसिद्ध त्वचा विशेषज्ञ हैं, बताती हैं, कान और नाक का कार्टिलेज उम्र के साथ बढ़ता रहता है लेकिन यह वृद्धि बहुत धीमी होती है। औसतन, हर दशक में कान और नाक की लंबाई में 0.22 मिमी की बढ़ोतरी हो सकती है। बुढ़ापे में त्वचा की लोच कम होने और गुरुत्वाकर्षण के कारण ये अंग अधिक लंबे और लटके हुए दिखते हैं। इसका मतलब है कि अगर आप 70 साल के हैं, तो आपके कान और नाक बचपन की तुलना में लगभग 1.5 से 2 सेंटीमीटर तक लंबे हो सकते हैं। कई अध्ययनों से पता चला है कि उम्र बढ़ने के साथ चेहरे की संरचना में बदलाव आता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के एक शोध के अनुसार, नाक का कार्टिलेज उम्र के साथ नरम और कमजोर हो जाता है, जिसके कारण उसका आकार बदलता है। यही कारण है कि बुजुर्गों की नाक अक्सर अधिक चौड़ी और लंबी दिखती है। इसी तरह, कान की लोब भी उम्र के साथ लटकने लगती है, खासकर उन लोगों में जो भारी झुमके पहनते हैं।

अजब-गजब **इथियोपिया के बोडी जनजाति में मनायी जाती है अनोखी परंपरा**

यहां लटके हुए पेट वाले माने जाते हैं हैंडसम मर्द

दुनिया में सुंदरता के मापदंड हर जगह अलग-अलग है। जहां एक ओर पतला शरीर और सिक्स-पैक एब्स को सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, वहीं इथियोपिया की बोडी जनजाति में बड़ा पेट और मोटा शरीर ही पुरुषों को सबसे हैंडसम बनाता है। जी हां, आपने सही पढ़ा! बोडी जनजाति में निकला हुआ पेट और फूले हुए गाल ना केवल पुरुषों को आकर्षक बनाते हैं, बल्कि उन्हें शादी के लिए सबसे योग्य उम्मीदवार भी बनाते है।

इथियोपिया के ओमो घाटी में रहने वाली बोडी जनजाति, जिसे मीन के नाम से भी जाना जाता है, अपनी अनोखी सांस्कृतिक परंपराओं के लिए मशहूर है। यहां हर साल जून में काएल समारोह आयोजित होता है, जो जनजाति का नववर्ष उत्सव है। इस समारोह का मुख्य आकर्षण है पुरुषों के बीच सबसे मोटा होने की प्रतियोगिता। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रत्येक परिवार अपने अविवाहित पुरुष को चुनता है, जो अगले छह महीने तक एक विशेष आहार और जीवनशैली का पालन करता है। इस दौरान वे गाय के खून और दूध के मिश्रण का सेवन करते हैं, जिससे उनका वजन तेजी से बढ़ता है।

इस अनोखी प्रक्रिया में पुरुषों को अपनी झोपड़ियों में छह महीने तक रहना होता है। इस

दौरान उन्हें कोई शारीरिक गतिविधि करने या यौन संबंध बनाने की अनुमति नहीं होती। महिलाएं और लड़कियां उनके लिए गाय का ताजा खून और दूध लाती हैं। बोडी जनजाति में गाय को पवित्र माना जाता है, इसलिए खून निकालने के लिए गाय की नस में भाले या कुहाड़ी से छेद किया जाता है और फिर उसे मिट्टी से बंद कर दिया जाता है ताकि गाय की जान बची रहे।

इस आहार का सेवन करना आसान नहीं है। गर्म मौसम के कारण खून जल्दी जम जाता है और प्रतियोगियों को सुबह-सुबह दो लीटर खून और दूध का मिश्रण जल्दी से पीना होता है। कई पुरुष इतनी मात्रा को पचा नहीं पाते और उल्टी कर देते हैं। फिर भी, जो इस चुनौती को पार कर लेते हैं, वे काएल समारोह के दिन अपनी मोटी काया को प्रदर्शित करते हैं। समारोह के दिन, पुरुष अपने शरीर पर मिट्टी और राख लगाते हैं और शुतुरमुर्ग के पंखों से बने सिर के गहने पहनते हैं। फिर वे एक पवित्र पेड़ के चारों ओर घंटों चक्कर लगाते हैं, जहां जनजाति के अन्य लोग और महिलाएं उनकी हौसला-अफजाई करती हैं।

इस प्रतियोगिता का विजेता वही पुरुष होता है, जिसका पेट सबसे बड़ा होता है। उसे कोई भौतिक पुरस्कार नहीं मिलता, लेकिन वह जीवन भर के लिए जनजाति का हीरो बन जाता है। बोडी जनजाति की महिलाएं बड़े पेट वाले पुरुषों को बेहद आकर्षक मानती हैं और ऐसी मान्यता है कि वे इन पुरुषों से शादी करने के लिए उत्सुक रहती हैं। समारोह के अंत में एक गाय की बलि दी जाती है और जनजाति के बुजुर्ग उसके खून और आंतों की जांच करके भविष्य की भविष्यवाणी करते हैं।

समारोह के बाद, पुरुष सामान्य आहार पर लौट आते हैं और कुछ ही हफ्तों में उनका बढ़ा हुआ वजन कम हो जाता है। लेकिन उनकी हीरो की छवि जीवन भर बनी रहती है। बोडी जनजाति में हर बच्चे का सपना होता है कि वह बड़ा होकर इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले और हीरो बने।

मेरी जान को खतरा : राहुल

» नेता प्रतिपक्ष ने पुणे कोर्ट में डाली अर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि कुछ भाजपा सांसदों ने उन्हें धमकी दी है कि 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ उनकी टिप्पणी के लिए उनका भी वही हश्र होगा जो उनकी दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का हुआ था। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पुणे की एक अदालत को सूचित किया कि उनके हालिया राजनीतिक संघर्षों और उनके खिलाफ मानहानि के मामले में शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर के वंश को देखते हुए उन्हें जान का खतरा है।बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने मानहानि के एक मामले की सुनवाई कर रही विशेष सांसद/विधायक अदालत से आग्रह किया कि वह उनकी सुरक्षा और मामले की निष्पक्षता को लेकर उनके द्वारा व्यक्त की गई गंभीर आशंकाओं का न्यायिक संज्ञान ले।

सत्यकी सावरकर ने एलओपी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जब उन्होंने मार्च 2023 में लंदन में एक भाषण दिया था। इस भाषण में सावरकर के लेखों में एक घटना का जिक्र था जिसमें सावरकर और अन्य लोगों ने कथित तौर पर एक मुस्लिम व्यक्ति पर हमला किया था और इसे सुखद पाया था। सत्यकी सावरकर ने सावरकर की प्रकाशित रचनाओं में इस तरह के विवरण के अस्तित्व पर विवाद किया और अदालत का रुख करते हुए तर्क दिया कि ये टिप्पणियाँ झूठी, भ्रामक और मानहानिकारक थीं। उन्होंने गांधी को आईपीसी की धारा 500 के तहत दोषी ठहराए जाने और सीआरपीसी की धारा 357 के तहत मुआवजे की मांग की है। अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को करेगी।

आरएन बिट्टू व तरविंदर मारवाह पर धमकी का आरोप

कांग्रेस नेता की ओर से पुणे की अदालत में अर्जी दाखिल करने वाले वकील मिलिंद पवार ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भाजपा नेता आरएन बिट्टू ने राहुल गांधी को आतंकवादी कहा है। उन्होंने कथित तौर पर यह भी बताया कि भाजपा नेता तरविंदर मारवाह ने भी राहुल गांधी को खुली धमकी देते हुए कहा था कि उन्हें अच्छा व्यवहार करना चाहिए, वरना उनकी दादी जैसी ही हालत हो सकती है। गांधी के आवेदन में आगे लिखा है, शिकायतकर्ता ने स्वयं महात्मा गांधी के हत्यारों के सहयोगियों से अपनी वंशावली का दावा किया है। इस वंश से जुड़े गंभीर इतिहास को देखते हुए, बचाव पक्ष को वास्तविक और उचित आशंका है कि इतिहास को खुद को दोहराने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि शिकायतकर्ता के वैचारिक पूर्वजों द्वारा अपनाई गई हिंदुत्व की विचारधारा ने कई मामलों में असंवैधानिक तरीकों से राजनीतिक सत्ता हासिल की है।

कांग्रेस ने वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे के साथ कैंडल मार्च निकाला

केंद्र की भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर करें: प्रतिभा

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देश पर कांग्रेस आज देशभर में वोट चोर गद्दी छोड़ नारे के साथ कैंडल मार्च निकालेगी। केंद्र की भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए आगे आने को कहा है। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपने-अपने जिलों में भाजपा के वोट चोरी के विरोध में लोकतंत्र की रक्षा के लिए कैंडल मार्च में बढ़-चढ़कर भाग लेने को कहा है। कैंडल मार्च में पार्टी के सभी नेताओं, पूर्व पीसीसी, जिला, ब्लॉक के पदाधिकारियों, अग्रणी संगठनों व विभागों के सभी पदाधिकारियों नगर निगम के सभी कांग्रेस पार्षदों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। शिमला में यह कैंडल मार्च प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह व उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के नेतृत्व में शाम 6:0 बजे शेरे पंजाब नाज से रिज मैदान पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा तक आयोजित होगा। प्रतिभा ने कहा है कि जिस प्रकार देश के लोकतंत्र, संविधान और सांविधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, उसके लिए देश को जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने पार्टी के सभी नेताओं कार्यकर्ताओं से देशहित में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने और केंद्र की भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए आगे आने को कहा है। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी के वोट चोरी के खुलासे के बाद भाजपा पूरी तरह बौखलाई हुई है।

पंजाब में आप सरकार आने के बाद कम हो रहा नशा : केजरीवाल

» आप के संयोजक बोले - युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान का हिस्सा बन रहीं महिलाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आप सुप्रीमों ने अरविंद केजरी वाल ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि जब आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सत्ता संभाली तो उस समय सूबे में नशे की बहुत ज्यादा समस्या थी, लेकिन आज हम पंजाब को नशा मुक्त बनाने का अभियान चला रहे हैं। अगर किसी घर पर कोई नशा करता है, किसी का भाई, बेटा, पति या पिता नशा करता है तो सबसे ज्यादा परेशानी घर की महिलाओं को होती है। अगर पंजाब की सभी महिलाएं नशे के खिलाफ एकजुट हो जाएं तो पंजाब से नशा खत्म करने से कोई भी नहीं रोक सकता। पंजाब में नशे की बहुत ज्यादा समस्या थी लेकिन आज हम पंजाब को नशा मुक्त बनाने का अभियान चला रहे हैं।

पंजाब की महिलायें भी 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान का हिस्सा बन रही हैं। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब की महिलाएं भी युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान का हिस्सा बन रही हैं। मैं आपसे कहना चाहूंगा कि आपकी नजर में कोई भी नशे का आदी हो, उसे नशा मुक्ति केंद्र में भेजिए। महिलाएं चाहती हैं कि नशा खत्म हो। पहले नशा मुक्ति केंद्र बहुत खराब होते थे। अब हमने सभी नशा मुक्ति केंद्रों में एसी, सीटीटीवी लगवाए हैं। किसी को नशा छुड़वाने का काम करोगे तो इससे बड़ा पुण्य का काम दूसरा कोई नहीं हो सकता।

वनडे रैंकिंग : शीर्ष दो पर गिल-हिटमैन का कब्जा

» रैंकिंग में शीर्ष 15 में पांच भारतीय बल्लेबाज शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा पुरुषों की वनडे आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। आईसीसी की तरफ से जारी की गई नई रैंकिंग में हिटमैन ने एक स्थान की छलांग लगाई और दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया। दरअसल, बाबर हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे। इसके फलस्वरूप वह तीसरे स्थान पर खिसक गए।

आईसीसी की ताजा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शुभमन गिल की बादशाहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। वह पहले स्थान पर काबिज हैं। वहीं, रोहित के 756 रेटिंग अंक हो गए हैं। शीर्ष पांच में गिल और रोहित के अलावा तीसरे भारतीय विराट कोहली हैं, जो चौथे पायदान पर हैं। उनके 736 रेटिंग अंक हैं। वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 15 में भारत के पांच खिलाड़ी शामिल हैं। श्रेयस अय्यर आठवें स्थान पर हैं, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल 15वें स्थान पर हैं। रोहित और कोहली को आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में वनडे प्रारूप में खेलते देखा गया था। दोनों के अगस्त में मैदान पर वापसी की उम्मीद थी लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ इसी महीने होने वाली द्विपक्षीय सीरीज अगले साल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। अब रोहित और कोहली ने अक्टूबर में होने वाले आस्ट्रेलिया दौरे के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है।

हरभजन ने भारत-पाकिस्तान मैच रद्द करने की उठाई मांग

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच नहीं खेलना चाहिए। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले मुकाबले को रद्द करने की मांग उठाई है। बता दें कि, नौ सितंबर से एशिया कप का आगाज होना है। भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। इससे पहले भारतीय प्रशंसकों ने दोनों देशों के बीच जारी तनावपूर्ण संबंधों के चलते मुकाबला रद्द करने की मांग की है। हालांकि, अब तक इस पूरे मामले पर बीसीसीआई की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले भारत चैंपियंस ने पाकिस्तान के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का मुकाबला खेलने से इनकार कर दिया था। टीम ने पहले लीग राउंड में इसके बाद सेमीफाइनल मैच का बहिष्कार कर दिया था।

लोस चुनाव से पहले क्यों नहीं हुई वोटर लिस्ट की सफाई: चौटाला

» पूर्व डिप्टी सीएम बोले - बिहार विधानसभा चुनाव को किया जा रहा टारगेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिसार। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री और जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला ने फर्जी वोटर मामले के मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। चौटाला ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में हाल ही में शुरू की गई वोटर लिस्ट की सफाई की प्रक्रिया लोकसभा चुनाव से पहले क्यों नहीं की गई।

उन्होंने कहा आयोग ने बिहार को टारगेट करके वोटर लिस्ट से फर्जी वोट हटाने की प्रक्रिया शुरू की है, फर्जी वोटरों की समस्या सिर्फ एक राज्य तक सीमित नहीं है, इसका पूरे देश में असर दिखेगा। एक ही वोटर आईडी नंबर पर दो या तीन जगह वोटर कार्ड पाए जाने की घटनाएं गंभीर हैं। आयोग के पास पूरा डेटाबेस होने के बावजूद ऐसी गड़बड़ियां क्यों हो रही हैं? यह बड़ा सवाल है। जेजेपी मांग करती है कि आयोग इस मुद्दे पर जनता के सामने श्वेत पत्र जारी करे और फर्जी वोटरों के मामले की पूरी पारदर्शिता के साथ जांच करे।

कांग्रेस के लगाए आरोपों पर स्पष्टीकरण दे चुनाव आयोग

दुष्यंत चौटाला ने कहा बिहार में 60 लाख से अधिक वोटों को ये कहकर काटना कि ये नकली वोट हैं और दूसरी तरफ कांग्रेस द्वारा एक ही व्यक्ति के तीन प्रदेशों में वोट पाए जाना चुनाव आयोग पर प्रश्नचिह्न लगाता है। चुनाव आयोग को कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। इतनी बड़ी संख्या में नकली वोट कैसे बनें ये भी स्पष्ट करना चाहिए।

9 दिसम्बर को मनाया जाएगा जेजेपी का स्थापना दिवस

दुष्यंत चौटाला ने बताया कि 15 से 25 अगस्त तक सभी जिला कार्यकारिणी और राज्य इकाई का गठन पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद हलका स्तर पर कार्यकारिणी का गठन होगा। सितंबर तक जेजेपी का संगठन पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। इसके बाद जेजेपी का स्थापना दिवस 9 दिसम्बर को प्रदेश में बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। हरियाणा में बढ़ते अपराधों पर चिंता जताते हुए दुष्यंत चौटाला ने कहा प्रदेश में पुलिस गायब है और गुंडे नायब हो गए हैं।

चुनाव आयोग पक्षपात कर रहा: भारद्वाज

» आप नेता बोले- उल्टा चोर कोतवाल को डांटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भारत के चुनाव आयोग पर निशाना साधा और उस पर उल्टा चोर कोतवाल को डाटे जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया। यह एक हिंदी मुहावरा है जिसका अर्थ है कि आरोपी, आरोप लगाने वाले पर ही दोष मढ़ रहा है। उनकी यह टिप्पणी राजद नेता तेजस्वी यादव के उस आरोप के बाद आई है।

उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग, भाजपा के साथ मिलकर बिहार में मतदाता सूची में हेरफेर करने के लिए अपने नेताओं को दो मतदाता फोटो पहचान पत्र नंबर जारी कर रहा है। आप नेता ने कहा कि चुनाव आयोग जिस तरह से अभी व्यवहार कर रहा है, वह चोर कोतवाल को डांट जैसा है। जो लोग अब तक आयोग को निष्पक्ष समझते थे, अब उन्हें लग रहा है कि उनका व्यवहार किसी राजनीतिक दल की युवा शाखा जैसा है।

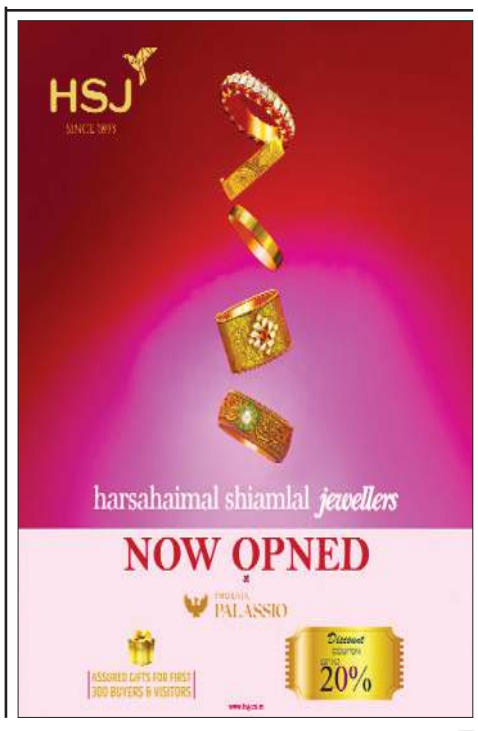

सपा ने योगी सरकार पर किया तीखा प्रहार

मानसून सत्र का अंतिम दिन रहा हंगामेदार, नेता प्रतिपक्ष ने जमकर सरकार को घेरा, मंत्री स्वंतत्र देव सिंह के सोते हुए वीडियो से हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज यूपी विधानसभा में मानसून सत्र का अंतिम दिन है। बुधवार से पिछले 24 घंटे से विजन डाक्यूमेंट-47 पर सदन में मंथन चल रहा है। इसको लेकर सता पक्ष व विपक्ष में वार-पलटवार जारी है। जहां सपा ने रात भर चले इस सत्र के कई वीडियो भाजपा नेताओं के सोते हुए जारी कर योगी सरकार पर तंज कसा है। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को विधानसभा के मानसून सत्र से सियासी संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने गाय का दूध पिया लेकिन गाय के दूध के प्रति आपने कहीं कृतज्ञता ज्ञापित की? आपको तो गो माता का श्राप ले डूबेगा। इसलिए 27 में आने का सपना मत देखिए। इसलिए मत देखिए क्योंकि ये सरकार अपने अध्यात्मिक विरासत और प्रतीकों का भी सम्मान करती है। सपना आपका सपना ही रहेगा। यूपी की विरासत पर हर व्यक्ति नहीं बैठ सकता है। आप लोगों को काशी, अयोध्या, चित्रकूट, मां विंध्यवासिनी धाम से जो हो रहा है, उससे आपको पीड़ा हो रही है।

पुलिस विभिन्न धाराओं का डर दिखाकर लोगों से पैसे वसूल रही : नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार में पुलिस विभिन्न धाराओं का डर दिखाकर लोगों से पैसे वसूलती है। पांडेय ने सपा के सियासी नारे पीडीए की चर्चा करते हुए सरकार से पूछा कि आखिर उन्हें पीडीए से क्या दिक्कत है? पीडीए ही उन्हें सत्ता में लाया है और अब हम उन्हें अपने पास ला रहे हैं।

विधानसभा में भिड़े गए सत्ता पक्ष बीजेपी के दो विधायक: गुरुवार सुबह सदन में बीजेपी के दो विधायकों राजेश चौधरी और सौरभ श्रीवास्तव में ही झड़प शुरू हो गई। बोलने का समय याद दिलाने को लेकर बहस शुरू हो गई। हाथापाई तक मामला पहुंचने ही वाला था कि अन्य विधायकों ने बीच-बचाव किया। बीजेपी विधायकों का झगड़ा देखकर सपा विधायकों ने तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि जब ये लोग विजन पर लड़ रहे हैं तो इनका विजन क्या होगा?

सपा प्रमुख ने भाजपा के सोते विधायकों का वीडियो जारी किया

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के सोने का वीडियो शेयर कर योगी सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने इसे सोती सरकार करार दिया। साथ ही, लोगों से 24 घंटे सदन चलाने के पीछे का तर्क भी पूछा है। अखिलेश यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर सदन से जुड़े दो वीडियो शेयर किए हैं। एक वीडियो में स्वतंत्रदेव सिंह सोते नजर आ रहे हैं तो दूसरे में सपा समेत अन्य नेताओं की सेल्फी है जिसमें वे जागते नजर आ रहे। सेल्फी शेयर करते हुए अखिलेश ने लिखा है- सोती रही सरकार, जागता रहा विपक्ष! भाजपा ने 24 घंटे का सदन चलाकर साबित कर दिया है कि वो प्रदेश चलाने में कितना पिछड़ गये हैं, इसीलिए चौबीसों घंटे काम करने की बात कर रहे हैं। भाजपा सरकार बताए कि उसके मुखिया से लेकर मंत्री व कितने विधायक चौबीसों घंटे उपस्थित रहे।

गरीब जेल में और अपराधी खुले आम घूम रहे हैं : माता प्रसाद

उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र के आखिरी दिन 14 अगस्त 2025 को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी के विधायक माता प्रसाद पांडेय ने एक ओर जहां योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए , वहीं आजम खान और इरफान सोलंकी का भी जिक्र किया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आजम खान और इरफान सोलंकी को जेल में क्यो बंद कर रखा है, वो कौन से अपराधी हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में गरीब ब्राह्मणों का एनकाउंटर हो रहा है। कई ऐसे अपराधी हैं जो घूम रहे हैं लेकिन उनको कुछ नहीं कहा जा रहा है। राज्य में शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे पर माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि प्राइमरी की शिक्षा की हालत हम देख रहे हैं लेकिन उच्च शिक्षा को और ज्यादा बेहतर किया जाना चाहिए। पांडेय ने कहा कि सरकार को चाहिए कि शोध और अन्वेषण के क्षेत्र में बजट आवंटित करे।

सामाजिक एकता और अखंडता के लिए चुनौतियां बढ़ीं

अपने विधानसभा क्षेत्र इटवा के एक मामले का जिक्र करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एक .22 हेक्टेयर की जगह थी, वहां गरीब तबके के हिंदू और मुस्लिम दोनों जाते थे। धीरे धीरे वहां 4-500 लोग जाने लगे। वह मजार आपके एक नेता की आंख में खटकने लगी। मैंने एक रैन बसेरा बनवा दिया। आपके कलेक्टर ने बिना जांच पड़ताल के लिए रैन बसेरा भी गिरवा दिया। मैंने पूछा ऐसा क्यों किया तो मुझे जवाब मिला कि मुझे पता नहीं था। देखा और गिरवा दिया. फतेहपुर का जिक्र करते हुए पांडेय ने कहा कि ऐसी घटनाएं सामाजिक एकता और अखंडता के लिए चुनौती हैं।

वोट अधिकार यात्रा पर सियासत तेज

» नेता प्रतिपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा

» कांग्रेस की बैठक, फंसेगी इस दांव में भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सासाराम। बिहार में विधानसभा चुनाव होने में अभी काफी वक्त है, लेकिन विभिन्न राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं ने अपनी चुनावी यात्राएं शुरू कर दी है। इसी क्रम में राहुल गांधी भी बिहार के रोहतास जिले से वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं, जिसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

राहुल गांधी सासाराम से आगामी 17 अगस्त को अपनी पदयात्रा की शुरुआत करेंगे। आगामी 17 अगस्त से राहुल गांधी की शुरू होने वाली पदयात्रा को लेकर बुधवार को जिला मुख्यालय सासाराम के एक निजी भवन में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु की अध्यक्षता में एक बैठक की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के भी शीर्ष नेता शामिल हुए तथा इस दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ संगठन की मजबूती एवं राहुल गांधी की चुनावी यात्रा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

वहीं, पत्रकारों से बातचीत के दौरान बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि बिहार का अगला सीएम जनता तय करेगी। बिहार में मुख्यमंत्री बनाने का अधिकार यहां की जनता को है और आने वाले चुनाव में बिहार की जनता एवं चुने हुए विधायक तय करेंगे कि बिहार में अगला सीएम कौन होगा? हालांकि, सीएम के चेहरे के सवाल पर उन्होंने टालते हुए कहा कि यह सवाल आप बिहार की जनता से पूछिए। आपको जनता जवाब देगी कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि राहुल गांधी देश में वोट को मजबूत करने निकले हैं। वह भारत के संविधान, लोकतंत्र और मतदाताओं को मजबूत करने बिहार आ रहे हैं। राहुल गांधी बिहार और भारत के भविष्य को मजबूत करने के लिए वोटर अधिकार यात्रा पर निकल रहे हैं। वे जनता की अदालत में पहुंचेंगे तथा लोगों को बताएंगे कि भारत के संविधान को अगर मजबूत करना है, तो यहां के मतदाता को मजबूत करना होगा।

वोट चोरी के खिलाफ सीधी लड़ाई छेड़ रहे : राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 17 अगस्त को वह अपनी ''वोटर अधिकार यात्रा'' के जरिये कथित ''वोट चोरी'' के खिलाफ बिहार की धरती से सीधी लड़ाई शुरू करेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि यह केवल एक चुनावी मुद्दा नहीं बल्कि लोकतंत्र, संविधान और 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत की रक्षा का निर्णायक संग्राम है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर लिखा, 17 अगस्त से वोटर अधिकार यात्रा के साथ हम बिहार की धरती से वोट चोरी के खिलाफ सीधी लड़ाई छेड़ रहे हैं। यह सिर्फ एक चुनावी मुद्दा नहीं - यह लोकतंत्र, संविधान और 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत की रक्षा का निर्णायक संग्राम है। उन्होंने कहा, हम पूरे देश में साफ-सुथरी मतदाता सूची बनवाकर ही रहेंगे। युवा, मजदूर, किसान - हर नागरिक, उठो और इस जनांदोलन से जुड़ो। राहुल गांधी ने कहा, अब की बार, वोट चोरों की हार - जनता की जीत, संविधान की जीत।

कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने से तबाही

» राहत और बचाव कार्य जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। किश्तवाड़ जिले के पद्दार ताशोती इलाके में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई और एक लंगर (सामुदायिक रसोई) शेड बह गया। किश्तवाड़ के उपायुक्त के अनुसार, हताहत होने की आशंका है, हालाँकि आधिकारिक पुष्टि का इंतज़ार है।

श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 4-6 घंटों में जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश, हल्की बारिश, गरज, बिजली और तेज़ हवाओं के साथ बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है।

आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

» हम विवाद नहीं, समाधान चाहते हैं : सॉलिसिटर जनरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज एक बार फिर सुनवाई हुई। कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने सुनवाई में केंद्र और कई एनजीओ की दलीलें सुनी और उसके बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 8 हफ्तों में दिल्ली की सड़कों से आवारा कुत्ते हटाने का निर्देश दिल्ली सरकार को दिया था। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हम इस मुद्दे का समाधान चाहते हैं, न कि इस पर विवाद होना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि कोई भी जानवरों से नफरत नहीं करता और हम भी इसका हल चाहते हैं।

फिर खुल गई स्मार्ट सिटी के दावे की पोल

» विधान सभा से लेकर शहर का हर कोना जलमग्न

» ड्रेनेज और जल निकासी तंत्र पूरी तरह फेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में तेज़ बारिश ने एक बार फिर स्मार्ट सिटी के दावों की पोल खोल दी। विधान सभा परिसर से लेकर शहर के प्रमुख इलाकों तक जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। सत्ता के केंद्र विधान सभा के भीतर और आसपास पानी भरने से यह साफ हो गया कि करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए ड्रेनेज और जल निकासी तंत्र पूरी तरह फेल हैं।

करोड़ों रुपए खर्च कर नालों की सफाई करने वाला नगर निगम की हकीकत आई सामने ऐसा लगता है नालों की सफाई के नाम पर नाले में समा गया हो जिससे सफाई न हो पाई हो?

वहीं स्वास्थ्य के नालों की अगर बात करी जाए तो नाले शहर भर में गंदगी से जैसे पटे हो जिससे मोहल्ले गलियों में पानी भर जाता है और जनता के घरों में पानी भर जाता है जिससे बहुत ही ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

जल भराव होने के बाद देर रात जागा नगर निगम

राजधानी लखनऊ में देर रात हुई बारिश ने विधान सभा परिसर से लेकर शहर के कई हिस्सों में जलभराव ने जनजीवन ठप कर दिया। सत्ता के केंद्र विधान सभा में पानी भरने की सूचना मिलते ही मंडलायुक्त से लेकर नगर आयुक्त और चीफ इंजीनियर तक आनन-फानन में मौके पर पहुंच गए, लेकिन तब तक परिसर में पानी भर चुका था। देर रात जोनल सेनेटरी अफसर से लेकर सभी इंजीनियर फील्ड पर आकर भेजने लगे सेल्फी।

प्रशासन सवालों के घेरे में

बार-बार लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद जल निकासी व्यवस्था में सुधार न होना प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। राजधानी के इस हाल पर अब सवाल उठने लगे हैं कि जब विधान सभा और वीआईपी इलाकों की ये हालत है, तो बाकी शहर का क्या हाल होगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।